श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

होलि साधनाएं – 09/03/2020

1) भाग्योदय-शीघ्र भाग्योदय साधना:-

मंत्र: || ॐ ह्रीं भाग्योदयं निखिलेश्वराय नमः ||

विधान:- साधक या साधिकाये ,पूर्व या उत्तर दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

सामाग्री :- स्फटिक माला

जप संख्या :- 21 माला

****

2) शत्रु बधा निवारण:-

मंत्र: || ॐ ऐं ऐं शत्रुं शं फट् स्वाहा ||

विधान:- साधक या साधिकाये , दक्षिण दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन(तेल का दीपक)कर साधना आरंभ करे |

संकल्प कर ,शत्रु का नाम उच्चरित कर ,11 माला जप साधना पूर्ण करे और बाद मे शत्रु का नाम कीसी कागज पर लिख , माला के सथ जमीन में गाड दे | |

सामाग्री :- काली हकीक माला

जप संख्या :- 11 माला

****

3) सर्व-बाधा निवारण प्रयोग:-

मंत्र : || सर्वबाधा विनिर्मुक्तो धन धान्य सुतान्वित: मनुष्यो मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय:||

विधान:- साधक या साधिकाये , लाल वस्त्र धारण कर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | 7 माला जप कर, अपने उपर से तीन बार घुमा कर दक्षिण दिशा की ओर फेंक दे | यह साधना गृह बाधा,भूत बाधा,तंत्र बाधा आदि के लिये उपयुक्त माना गया है |

सामाग्री :- मुंगा माला

जप संख्या :- 7 माला

****

4) मनोकामना सिद्धि:-

मंत्र: || ॐ ऐं सर्वतोभद्राय मनोवाञ्छितं देहि ॐ फट् ||

विधान:- साधक या साधिकाये , काले या लाल वस्त्र धारण कर दक्षिण दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन(तेल का दीपक) कर साधना आरंभ करे |

सामाग्री :- भैरव यंत्र,काली हकीक माला

जप संख्या :- 21 माला

****